बुधवार
29 मई 2024

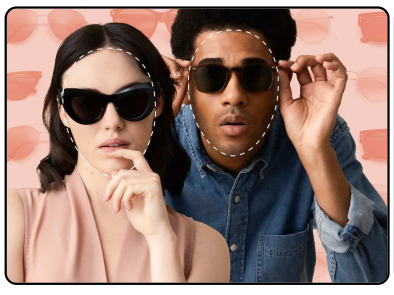

पृष्ठ 4

चेहरे के हिसाब से चुनना चाहिए धूप...

पृष्ठ 5

ब्रिजर्टन के तीसरे भाग में शामिल हुई...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 118
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

दुख को दूर करने की एक ही अमोघ औषधि है मन से दुखों की चिंता न करना।

– वेदव्यास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

अबकी बार किसकी सरकार ?

●अंतिम चरण के प्रचार में नेताओं ने झोंकी पूरी ताकत

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। लगभग दो माह लंबी चुनावी प्रक्रिया से गुजरता हुआ 18वीं लोकसभा के गठन के लिए होने वाला यह चुनाव अब अंतिम दौर में पहुंच चुका है। आखरी और सातवें चरण के लिए 57 सीटों पर 1 जून को होने वाले मतदान के लिए आज सभी दलों के नेताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के तमाम स्टार प्रचारक को सहित इंडिया गठबंधन के सभी शीर्ष नेताओं ने आज सुबह से शाम

❑ 57 सीटों के लिए 1 जून को होगा मतदान
❑ 4 जून को की जाएगी मतगणना

तक तीन-तीन चार-चार जनसभाएं और रोड शो कर अपने पार्टी प्रत्याशी के लिए वोट मांगे और अपनी सरकार बनाने की अपील की। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पक्ष-विपक्ष के नेताओं ने अपनी-अपनी सरकार बनने को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए।

अंतिम चरण के मतदान से पहले आज एनडीए और भाजपा के नेता एक बार फिर अपने अबकी बार 400 पार के नारे पर लौट आए और फिर एक बार मोदी सरकार बनने के दावे करते दिखे। चुनाव के पहले चरण के बाद से भाजपा नेताओं में जिस तरह का उत्साह आज चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में दिखा अब उसके कई मायने राजनीतिक समीक्षक निकाल रहे हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में दो बार की सत्ता विरोधी लहर का सामना करने वाली भाजपा के सामने यह चुनौती है कि क्या वह तीसरी बार सत्ता में लौटकर पंडित नेहरू का इतिहास दोहरा पाएगी? या फिर इंडिया गठबंधन अपनी तमाम सांगठनिक और चुनावी प्रबंधन की कमजोरी के बीच भी भाजपा को सत्ता से हटाने में सफल हो जाएगी?

वर्तमान लोकसभा चुनाव जिस संविधान और लोकतंत्र बचाने के मुद्दे तथा सामाजिक न्याय के मुद्दे पर लड़ा गया है। वहीं भाजपा एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ी है।

एनडीए और इंडिया गठबंधन द्वारा खुद को बहुमत के साथ सत्ता में आने के दावे जरूर किये जा रहे हैं लेकिन कुछ राजनीतिक पंडितों का यह भी कहना है कि भले ही भाजपा को पूर्ण बहुमत मिले न मिले लेकिन सरकार उसकी ही बनेगी। लेकिन सरकार किसकी बनेगी इस पर फैसला 4 जून को ही होगा।

पुलिस व गौ तस्कर के बीच मुठभेड़, बदमाश गोली लगने से हुआ घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पथरी थाना क्षेत्र में आज सुबह पुलिस व गौ तस्कर के बीच मुठभेड़ हो गयी। आमने-सामने की फायरिंग में गोली लगने से गौ तस्कर घायल हो गया जिसे पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका उपचार जारी है। आरोपी मुजफ्फरनगर का हिस्ट्रीशीटर और गैंगस्टर एक्ट में वांछित बदमाश है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह 112 द्वारा ग्राम ऐथल में अज्ञात चोर द्वारा गौवंश पशु चोरी की सूचना थाना पथरी पुलिस को दी गई। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान अलावलपुर रोड पर उक्त चोर गौ तस्कर जाता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसकी घेराबंदी की तो वह गौवंशीय

❑गौवंशीय पशु, तमंचा व कारतूस बरामद

पशु को छोड़कर पॉपुलर के खेत की तरफ भागने लगा। इस पर पुलिस द्वारा आरोपी का पीछा किया गया। जिसपर आरोपी द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर झोंक दिया गया। जिसके बाद पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी। गोली लगने के कारण तस्कर द्वारा आत्म समर्पण किया गया। जिसे पुलिस ने हिरासत में लेकर उपचार हेतु रुड़की अस्पताल भेजा गया। मौके पर एसपी देहात समेत तमाम पुलिस अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर आरोपी का हाल जाना गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अमीर आजम पुत्र जमील अहमद ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

गर्मी के चलते स्कूल में आधा दर्जन से ज्यादा छात्र बेहोश हुए

राची। बिहार में भीषण गर्मी पड़ रही है और इसका सबसे ज्यादा असर स्कूली छात्र-छात्राओं पर देखने को मिल रहा है। शेखपुरा के एक स्कूल में आधा दर्जन से ज्यादा छात्र गर्मी के चलते बेहोश हो गए। इलाज के लिए आनन-फानन में उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्कूल के प्रिंसिपल सुरेश प्रसाद ने बताया कि प्रार्थना सभा चल रही थी, तब 6-7 छात्र अत्यधिक गर्मी के कारण बेहोश हो गए। हमने प्राथमिक उपचार देने की कोशिश की। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को फोन कर सूचना दी गई है। बताते चले कि बीते दिनों पहले सारण में गर्मी के चलते 20 से अधिक छात्राएं बीमार हो गई थी। वहीं गोपालगंज में 3 छात्राएं बेहोश हो गई। इस तरह के मामले बिहार के कई हिस्सों से आ रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार में आने वाले दिनों में भी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। तापमाना का पारा लगातार 40 प्लस बना हुआ है। अगर बात करे आने वाले दिनों की गुरुवार को 42 डिग्री, शुक्रवार को 41 डिग्री तापमान बने रहने की संभावना है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल की अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत अवधि सात दिन बढ़ाने की मांग वाली याचिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। सीएम ने पीईटी-सीटी स्कैन समेत मेडिकल जांच कराने के लिए अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने की मांग की थी। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सीएम केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद थे। कोर्ट ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर केजरीवाल को एक जून तक अंतरिम जमानत पर रिहा करने

का आदेश दिया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट उन्हें दो जून को तिहाड़ जेल में वापस आत्मसमर्पण करने का भी आदेश दिया था।

रजिस्ट्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सात दिन की मोहलत मांगने वाली अर्जी का मुख्य याचिका से कोई संबंध नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें नियमित जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जाने की स्वतंत्रता दी है, ऐसे में अर्जी सुनवाई के योग्य नहीं है। आम आदमी पार्टी के अनुसार, शराब घोटाले में गिरफ्तारी के बाद से सीएम केजरीवाल की तबीयत खराब हो गई है। गिरफ्तारी के बाद उनका वजन सात किलो कम हो गया है। उनका कीटोन स्तर भी बहुत ज्यादा है, जो सीरियस मेडिकल डिसऑर्डर का संकेत देता है। पार्टी ने आगे कहा कि सीएम केजरीवाल को मेडिकल टेस्ट कराना जरूरी है। इसके लिए सात दिन का समय चाहिए।

दून वैली मेल

संपादकीय

अन्नदान के बदले वोट

हम 80 करोड लोगों को मुफ्त में खाना खिला रहे हैं। इस अन्नदान के पुण्य का लाभ हमें मिलना चाहिए या नहीं? आपको हमें वोट देना चाहिए या नहीं देना चाहिए? अगर आप हमें वोट नहीं देंगे तो यह पाप होगा या नहीं? क्या आप ऐसे पाप करेंगे? देश के प्रधान अब चुनाव के अंतिम चरण के प्रचार के दौरान कुछ इसी अंदाज में लोगों से भाजपा के लिए समर्थन की अपील करते दिख रहे हैं। लेकिन उनकी अपील में अपील कम और लोगों को डराने की कोशिश अधिक दिख रही है। उनके इस तरह के बयानों का सीधा मतलब यही है कि मुफ्त का अन्न खाने वालों अगर आपने बीजेपी को वोट नहीं दिया तो आपको पाप लगेगा। बात चाहे पाकिस्तान की हो या राम मंदिर को गिरवाने अथवा भैंस चुराने और मंगलसूत्र छीन लेने और संपत्तियों को हड़पने तथा बिजली के कनेक्शन काटने और नलों की टोटिंया खोलकर ले जाने की। एनडीए और भाजपा के नेताओं द्वारा लोगों को जिस तरह से डराया जा रहा है उससे लोग कितना डरते हैं या यह सोचकर कि अगर देश में किसी दूसरे की सरकार बनी तो आम आदमी बड़ी मुसीबत में फंस जाएगा अथवा देश का विकास रुक जाएगा और भारत कभी न विकसित राष्ट्र बन सकेगा और न तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बन सकेगा। लेकिन वह भाजपा या एनडीए को ही वोट करेगा यह तो चुनाव परिणाम से ही पता चलेगा लेकिन प्रधानमंत्री के इस तरह के प्रचार को लोग उनके अंदर का डर ही मान रहे हैं। चुनाव अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। देश की जनता 486 सीटों के लिए अपना फैसला सुना चुकी है। अब महज 57 सीटों पर ही मतदान शेष बचा है। मगर इन छह चरणों के चुनाव में सत्ता में बैठे लोग अपनी जीत को लेकर पूरी तरह से आस्वस्थ नहीं है। उन्हें अभी तक यह लग रहा है कि सत्ता उनके हाथों से फिसल रही है। जिन 486 सीटों पर अब तक मतदान हुआ है। 2019 में हुए चुनाव में से उसे इनमें से 284 सीटें मिली थी जो बहुमत के लिए जरूरी 272 सीटों से भी 12 अधिक थी। 303 सीटें जीतने वाले एनडीए और अपने अकेले के दम पर पूर्ण बहुमत तक पहुंचने वाली भाजपा के नेता इस बार इतने डरे हुए क्यों हैं अबकी बार 400 पार का दावा करने वाले इन नेताओं के दावे में अगर दम है तो अब तक 486 सीटों पर जहां मतदान हो चुका है वह पिछली बार के 303 से आगे निकल चुकी होगी। जबकि 57 सीटों पर चुनाव होना बाकी है। उसे अगर इनमें से एक भी सीट न भी मिले फिर भी वह सत्ता में आ रही है। 272 के आंकड़े तक पहुंचना मुश्किल लग रहा है इसलिए वह अंतिम चरण के मतदान के लिए हर एक सीट के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकें हुए हैं। इन दिनों इससे इतर अब यह भी चर्चाएं शुरू हो गई है कि भले ही एनडीए को पूर्ण बहुमत न मिले सबसे अधिक संख्या बल उसी के पास होगा इसलिए सरकार तो उसकी ही बनेगी इन सभी सवालों के जवाब के लिए 4 जून का इंतजार करना ही होगा।

नमकीन की दुकान में आग लगने से लाखों का सामान स्वाह

संवाददाता

देहरादून। नमकीन की दुकान में आग लगने से वहां से लाखों रूपये का सामान जलकर स्वाह हो गया। फायर बिग्रेड ने मौके पर पहुंच काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात्रि को तिलक रोड पर स्थित रमेश हलवाई की नमकीन की दुकान से लोगों ने धूंआ उठता हुआ देखा तो लोग वहां पर एकत्रित हुए इसी दौरान आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की सूचना मिलते ही खुडबुडा चौकी पुलिस व फायर बिग्रेड मौके पर पहुंचे। फायर बिग्रेड कर्मियों ने पास की दीवार तोडकर अन्दर प्रवेश किया और दुकान में रखे दो गैस सिलेण्डरों को तत्काल बाहर निकाला। जिसके बाद काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। लेकिन तब तक लाखों रूपये का सामान व पूरा खोखा जलकर स्वाह हो गया था।

उशन्तस्त्वा नि धीमह्युशन्त: समिधीमहि।
उशन्नुशत आ वह पितघ्न्हविषे अत्तवे।।
(ऋग्वेद १०-१६-१२)

अग्नि के प्रकाश को उत्तम कर्म करने के लिए हम अपनी इच्छा के अनुसार अपने अंदर स्थापित करें। इसका लाभ हमारे जीवित माता-पिता और वरिष्ठों तक भी पहुंचे।

30 मई को उप राष्ट्रपति के दौरे को लेकर सीएस ने दिये दिशा निर्देश

संवाददाता

देहरादून। उप राष्ट्रपति के प्रस्तावित नैनीताल व ऊधमसिंह नगर के दौरे को देखते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने आगामी 30 मई को उप राष्ट्रपति के जनपद नैनीताल एवं उधमसिंह नगर के प्रस्तावित भ्रमण के दौरान सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक की। सीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने आयुक्त कुंमाऊ मंडल, पुलिस उप महानिरीक्षक, कुंमाऊ परिक्षेत्र, जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल एवं उधमसिंह नगर को उप राष्ट्रपति के भ्रमण के दौरान प्रस्तावित कार्यक्रम पर उप राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा दिए गए निर्देशानुसार समस्त व्यवस्थाएं किए जाने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही मुख्य सचिव ने उप राष्ट्रपति के प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान एयरपोर्ट/हैलीपेड एवं कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा आदि की पुख्ता व्यवस्था के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने संचार व्यवस्था के सम्बन्ध में बीएसएनएल द्वारा एयरपोर्ट/हैलीपेड एवं कार्यक्रम स्थल में मानकों के अनुसार हाट लाइन, वाई-फाई कनेक्शन की व्यवस्था एनआइसी के साथ समन्वय करते हुए किए जाने के निर्देश दिए हैं। सीएस ने एयरपोर्ट/हैलीपेड से कार्यक्रम स्थल तक सड़क मार्ग की आवश्यक मरम्मत आदि की व्यवस्था, निर्वाध विद्युत आपूर्ति, जलापूर्ति आदि के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार, प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, सचिव दिलीप जावलकर सहित सम्बन्धित अन्य अधिकारी तथा जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल एवं उधमसिंह नगर वर्चुअल माध्यम से मौजूद रहे।

किराये पर मशीन लेकर वापस ना करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। किराये पर मशीन लेकर वापस ना करने व किराया भी ना देने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आईटी पार्क निवासी पंकज सिरोही ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने सड़क बनाने की पावर फनीशर मशीन को खरीदा था। उसकी कई वर्षों से सुनील गुरेजा उर्फ सोनू पुत्र स्व. गोपी चन्द निवासी आमवाला, तपोवन रोड, देहरादून से जान पहचान है। आरोपी सुनील गुरेजा भी इस तरह की मशीनों का संचालन करते हैं। कई स्थानों पर दोनों की मशीनों ने साथ में काम किया। सुनील गुरेजा ने 20 मई 2022 को अपने कार्य हेतु उसकी उक्त मशीन को एक लाख 25 हजार रुपए मासिक किराया तय कर लिया। चूंकि, आपस में कई साल से परिचय था, इसलिए मौखिक विश्वास पर उसने मशीन उन्हें मासिक किराए पर दे दी। इसके बाद सुनील गुरेजा की तरफ से उसे 11 अप्रैल 2023 को 50 हजार रुपये और अभी तक दो लाख 90 हजार रूपये अदा किये गये। इसके अलावा मशीन के किराये की कोई राशि मशीन लेने की तिथि 25 मई 2022 से अब तक अदा नहीं की गई। उसने 01 अक्टूबर 2023 को अपनी मशीन का बकाया किराया और मशीन वापस देने के लिए सुनील गुरेजा से कहा। इस दौरान इन्होंने गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। डराया कि उत्तराखंड में उसकी बड़े-बड़े अफसरों और राजनेताओं से जान पहचान है। अगर मशीन या किराया मांगने की कोशिश की तो उत्तराखंड से बाहर फिकवा देगा। इससे जाहिर है कि आरोपी सुनील गुरोजा ने आपसी संबंधों का फायदा उठाते हुए मेरे साथ अमानत में ख्वानत की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब पीलाने पर होटल संचालक गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने होटल में शराब पीलाने पर होटल संचालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने नई बस्ती में एक होटल पर छापा मारा तो वहां पर लोगों को शराब पीते हुए पाया। पुलिस को देख शराब पी रहे लोग मौके से भाग गये। पुलिस ने मौके से चार पव्वे व दो अध्धे बरामद कर लिये। पुलिस ने होटल संचालक मुकेश कुमार को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

देशभर में गर्मी का टॉर्चर जारी

नई दिल्ली। दिल्ली से लेकर ओडिशा तक गर्मी का सितम जारी है। दिल्ली सहित आसपास के राज्यों में तो पारा डरा देने वाले आंकड़े पर पहुंच गया है। बीते एक हफ्ते से गर्मी परेशानी का सबब बनी हुई है। ऐसे में लोगों का घरों से निकलना भी दुश्वार हो रहा है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने अपने बुलेटिन में बताया कि राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कई हिस्सों में, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 27-29 मई के दौरान भीषण गर्मी की स्थिति रहने की संभावना है और उसके बाद धीरे-धीरे इसमें कमी आएगी। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और जम्मू संभाग के कुछ इलाकों में 29 मई (आज) तक और हिमाचल प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में 30 मई तक लू चलने की आशंका है। इससे पहले मंगलवार को राजस्थान के चूरू में देश में सबसे अधिक तापमान 50.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

वाहन खडा करने पर एलआईयू कर्मी के साथ मारपीट, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। वाहन खडा करने को लेकर एलआईयू कर्मी के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एलआईयू कर्मी मनोज चौधरी ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह स्पेशल ब्रांच अभिसूचना में आरक्षी के पद पर तैनात है वर्तमान में उसकी तैनाती स्पेशल ब्रांच डाकपत्थर में है आज वह अपने कार्य से प्रेमनगर चौक पर अभिसूचना संकलन हेतु आया था कि प्रेमनगर चौक स्थित राणा मोबाइल गैलरी के मालिक अमित राणा तथा राजीव राणा एवं इन्द्र सिंह निवासी विंग 07 प्रेमनगर एवं 3-4 युवक उसके पास आकर उसका निजी वाहन जो कि इनके दुकान के आगे खडी थी,को हटाने को कहने लगे तब उसके द्वारा अपना परिचय देते हुए बताया गया कि वह पुलिस विभाग का कर्मचारी है एवं सूचना संकलन में प्रेमनगर चौक आया है थोडी देर में अपना वाहन हटा रहा है तो इन लोगो द्वारा उसको जासूस बताते हुए गाली गलौच व जान से मारने की धमकी देनी शुरु कर दी। तभी उसको पहचानते हुए विश्वास पुत्र राजीव दत्त शर्मा निवासी प्रेमनगर मौके पर आये एवं उसके पुलिस विभाग में होने के सम्बन्ध में उक्त युवकों को बताने लगे कि अचानक उक्त सभी युवको द्वारा उसको गाडी से खीचकर जासूस बताते हुए उस पर लाठी डण्डो व धारदार हथियार से वार करना शुरु कर दिया। जिस पर विश्वास उपरोक्त ने एवं उसके चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर मौके पर आये दीपक जो थाने के पास चाय की दुकान चलाता था,ने उसको पहचानकर बामुश्किल इन लोगो से बचाया वह अपनी जान बचाकर थाने की तरफ आया एवं उच्चाधिकारियों को सूचना देकर अपना मेडिकल करवाया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पारदर्शी निगरानी व्यवस्था के दायरे में आए

ऋतुपर्ण दवे

यूं तो सोशल मीडिया पर सचेत करते हुए कई वीडियो और दावे सामने आते रहते हैं, लेकिन कितने सच होते हैं, यह सामान्यतया कोई भी नहीं कह सकता।

हालांकि कभी-कभी कोई ऐसा वीडियो सामने आ जाता है जो विचलित कर देता है और अक्सर लोग सच्चाई जाने बिना ही भरोसा कर बैठते हैं। ऐसा ही एक वीडियो बीते दिनों बहुत तेजी से वायरल हुआ जिसमें हरी टी शर्ट पहना एक छोटा बच्चा जो कि किसी मेले में दिख रहा है। एक दूकानदार से गिलास में कुछ लेता है जिसमें बहुत तेज सफेद और गाढ़ा धुआं निकलता है। बच्चा उसे पीता है और तुरंत पेट पकडक़र चीखने-चिल्लाने लगता है। बच्चे को तुरंत चिकित्सकीय मदद पहुंचाई गई। बहरहाल, वीडियो की सत्यता=असत्यता से परे हटकर सोचें तो अगर वाकई में ऐसा है तो हम सभी को गंभीरता से इस बारे में सोचने की जरूरत है।

वीडियो में दिख भी रहा है कि उस पर स्मोक बिस्किट लिखा है। आजकल ऐसे पदार्थ खाने को सजावटी आकार देने के साथ बच्चों में आकषर्ण बढ़ाने के लिए बनाना आम हो गया है, जिनमें ड्राई आइस या लिक्विड नाइट्रोजन का अनुपातहीन

उपयोग आम सा हो गया है। भारत में इसका तेजी से पार्टियों या पिकनिक, मेलों में चलन बढ़ रहा है। वास्तविकता यह है कि बच्चा दावणगेरे में परिजनों के साथ एक प्रदशर्नी में गया था और उसने वहां पर एक स्टॉल से स्मोक बिस्किट लिया और उपयोग करते ही उसकी तबीयत बिगड़ गई। सुकून की बात है कि वीडियो के जरिए फैलाई जा रही मौत की बातें अफवाह निकली, लेकिन इस वीडियो ने कई सवाल जरूर पैदा कर दिए।

क्या आम दावतों, पार्टियों, चौपाटियों या चाट, पकौड़े, आईसक्रीम या ठण्डाई के नाम पर बिना किसी स्वीकृति के कुछ भी उपयोग की इजाजत है? और क्या भारत में कहीं भी कोई अपनी मनमर्जी से स्वाद या आकषर्ण बढ़ाने के लिए किसी भी प्रतिबंधित, घातक या अनुपातहीनमात्रा में मसाले, रसायन खाने में उपयोग कर सकते हैं? इस पर लोग कितना जागरूक हैं? स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह ऐसी चीजों के इस्तेमाल का क्या कोई तय पैमाना है और है तो इसका कैसे हो? सबको पता है कि पूरे देश में चाहे गांव, कस्बा, महानगर हर कहीं बाजार में तैयार खाने का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। देश में रेस्टॉरेन्ट, होटल और ढाबों में लोगों के शौकिया आना-जाना भी खूब बढ़ा है।

आउटिंग या बाहर खाने के चलन ने ऑनलाइन फुड को एक नई इंडस्ट्री की शक्ल दे दी, लेकिन सवाल यही कि आखिर बाजार में बिकने वाला रेडीमेड खाना स्वास्थ्य के लिहाज कितना मुफीद है? क्या इस तरह के खाना बनाने वाले ठिकानों और सप्लाई के लिए पहुंचाने के दौरान बनाने और खाने वालों के बीच खाने की गुणवत्ता में बदलाव या स्तरहीनता को परखने का कोई तंत्र है? शायद नहीं और हो भी तो लोगों ने कभी बीच सडक़ खाने की जांच होते या सैम्पलिंग देखी नहीं। ऐसे सवाल उठने वाजिब हैं। सडक़ों के किनारे ढाबे हों या बीच शहर के होटल या स्ट्रीट फूड की जगहें। कभी यहां नियमित जांच होती हैं या हुई लोगों को ध्यान नहीं आता। निश्चित रूप से ऐसी निगरानी उस क्षेत्र के जिला प्रशासन के अधीन होती हैं, लेकिन सवाल वही कि इस पर अमल कैसा होता है? जिस तेजी से बाहर खाने का चलन बढ़ रहा है और तैयार खाने का ऑनलाइन कारोबार बढ़ रहा है जो उद्योग की शक्ल अख्तियार कर रहा है।

तमाम तरह के टैक्स के दायरे में भी आता है परन्तु गुणवत्ता को लेकर किस तरह के निर्देश हैं या अमल करना है इस पर आम लोगों को कुछ पता नहीं होता। समय के साथ अब इस बात पर भी सख्त कानून बने और पालन में भी कठोरता की जाए ताकि रेडीमेड फूड उद्योग भी एक पारदर्शी निगरानी व्यवस्था के दायरे में आए। बना बनाया या बनाकर खाने के बेचने या पैक कर घर-घर पहुंचाने का रिटेल या थोक कारोबार हो या स्ट्रीट वेन्डर से लेकर पांच सितारा होटलें इनकी गुणवत्ता की जांच के लिए हर कहीं सूचना पटल हों। महानगरों, शहरों और दूकानों में बड़े-बड़े होर्डिंग, बैनर या पोस्टर अनिवार्य हों, जिनसे लोगों की इस बारे में जागरूकता बढ़े। हर दुकानदार, खाने की सामग्री बेचने वाले ठिकानों पर उस क्षेत्र के स्थानीय नियंत्रणकर्ता एजेंसी की जानकारी तथा संपर्क सूची भी लगाई जाए जहां पर गुणवत्ता में दोष की शिकायत की जा सके।

इतना ही नहीं विशेष परिस्थितियों में खाने के सैंपल को जांचने के लिए स्थानीय सरकारी विभाग भी तत्पर रहे। अब तक ऐसे गंभीर मामले या तो पुलिस के पास पहुंचते हैं या फिर हीला-हवाली में ही अपराध के बावजूद अनदेखे रह जाते हैं। खाने में कीड़े, कॉकरोच मिलने या खाकर बीमार पडऩे की शिकायतें तो सामने आती हैं, लेकिन कभी कोई कार्रवाई हुई हो ज्यादातर पता नहीं चल पाता। जिस तेजी से बने बनाए खाने के चलन के साथ बाहर खाने का रिवाज बढ़ रहा है उससे इस कारोबार पर भी बहुत कड़ी निगाह रखे जाने की जाने की जरूरत है। इसके लिए ऐसे कानून की जरूरत है जो देशव्यापी हो और सबको पता हो ताकि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ के मामले बढऩे से पहले ही नियंतण्रमें रहें और जनस्वास्थ्य को बड़ी चुनौती का बेखौफ रिवाज जैसा चलन भी न पनप पाए।

बच्चों की डाइट में शामिल करें ये खाद्य पदार्थ, हृदय के लिए हैं लाभदायक

आज के समय में हृदय की बीमारियां काफी तेजी से बढ़ने लगी हैं और इनकी चपेट में न सिर्फ बड़े बल्कि बच्चे भी आ सकते हैं। अगर आप यह चाहते हैं कि आपके बच्चों को हृदय से जुड़ी बीमारियां न हो तो इसके लिए आपको उनकी डाइट में ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल करने चाहिए जो हृदय को स्वस्थ रखने में मददगार होते हैं। आइए आज आपको ऐसे ही कुछ खाद्य पदार्थों के बारे में बताते हैं।

अखरोट : सूखे मेवे आकार में भले ही छोटे होते हैं, लेकिन इनमें पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसी श्रेणी में अखरोट भी शामिल हैं जो कई जरूरी पोषक तत्वों से समृद्ध होता है। ये पोषक तत्व बच्चों के हृदय के स्वस्थ रखने के साथ-साथ उनके पूर्ण स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसमें पाए जाने वाला अल्फा लिनोलिक एसिड बच्चों में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ने से रोकता है। बच्चे को रोजाना एक-दो अखरोट जरूर खिलाएं।

अलसी के बीज : अलसी के बीज एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-हाइपरटेंसिव, एंटी-डायबिटिक, कोलेस्ट्रॉल कम करने वाले और एंटी-ट्यूमर जैसे गुणों से भरपूर माने जाते हैं। ये आपको स्वस्थ और कई गंभीर बीमारियों से बचाकर रखने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा ये गुण मिलकर बच्चों के हृदय को सुरक्षा प्रदान करने में भी सहयोग प्रदान कर सकते हैं। बच्चों को रोजाना कम से कम एक चम्मच अलसी के बीजों का सेवन करवाना फायदेमंद हो सकता है।

डार्क चॉकलेट : डार्क चॉकलेट में पॉलिफिनॉल्स, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इन्फ्लेमेट्री और एंटी-ओबेसिटी जैसे गुण मौजूद होते हैं जो हृदय से जुड़े रोगों के खतरे को काफी हद तक कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके साथ ही इसमें मौजूद पॉलिफिनॉल्स और फ्लेवेनॉइड्स हृदय की आर्टरीज में ब्लॉकेज आने से रोकते हैं और शरीर में ब्लड़ फ्लो को बेहतर करने में सहायक होते हैं। इसलिए बच्चों को डार्क चॉकलेट खिलाते रहना भी उनके हृदय के लिए लाभदायक है।

एवोकाडो : एवोकाडो को यूं ही सुपर फूड नहीं कहा जाता है। इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट, फाइबर, विटामिन- ए, विटामिन- सी, विटामिन- ई, विटामिन-के और मैग्नीशियम जैसे कई तरह के पोषक तत्व शामिल होते हैं। एवोकाडो का सेवन मोटापा, चयापचय सिंड्रोम, अनियंत्रित ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधित रोगों से बचाकर रखने में काफी मदद कर सकता है। इसलिए अपने बच्चे की डाइट में एवोकाडो को जरूर शामिल करें।

खाना खाने का मन नही करता ?

आपने बहुत से लोगों को कहते हुए सुना होगा कि उन्हें भूख नहीं लगती। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। बहुत से लोग ऐसे भी है जिन्हें समय पर भूख नहीं लगती और अगर लगती भी है तो थोड़ा सा खाने पर ही पेट भर जाता है। कई बार पेट की समस्या के चलते भूख अपने आप खत्म हो जाती है। आज हम आपको उन उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं जिससे आप अपनी भूख को बढ़ा सकते हैं....

ग्रीन टी- ग्रीन टी पीने से भूख तो लगती ही है साथ ही कई बीमारियों से भी छुटकारा मिलता है। आप चाय की बजाय ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं।

नींबू पानी- गर्मियों के मौसम में नींबू पानी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। गर्मियों के मौसम में शरीर को पानी की जरूरत होती है। नींबू पानी पीने से पानी की कमी को पूरा किया जा सकता है। इससे भूख भी बढ़ती है।

अजवायन- अपच या भूख न लगने की समस्या में आप अजवायन का सेवन कर सकते हैं। भूख ना लगने पर दिन में एक या दो बार इसका सेवन जरूर करें।

त्रिफला चूर्ण- अगर आपको भी समय पर भूख नहीं लग रही है, तो आप त्रिफला चूर्ण का सेवन कर सकते हैं इसके लिए आप हल्के गरम दूध में एक चम्मच त्रिफला चूर्ण का सेवन करें।

सैलानियों की भीड़ के प्रबंधन का स्थाई इंतजाम करे राज्य सरकारः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि प्रदेश सरकार चारधाम यात्रा में आने वाले सैलानियों की भीड के प्रबंधन का स्थाई इंतजाम करे।

आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने अपने कैंप कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि राज्य में चार धाम यात्रा व पर्यटन सीजन शुरू होते ही जिस प्रकार से उत्तराखंड की तरफ रुख करने वालों की भीड़ में इजाफा हो रहा है और आने वालों की भीड़ को नियंत्रित करने में शासन प्रशासन की सांसें उखड़ रही हैं यह स्थितियां आने वाले समय में और भायवाह हो जाएंगी अगर सरकार ने भीड़ नियंत्रित करने के लिए समय पर भीड़ प्रबंधन के स्थाई इंतजाम नहीं किए। उन्होंने कहा कि अप्रैल अंत व मई के पहले सप्ताह में उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के साथ साथ अगले पंद्रह दिनों में श्री हेमकुंड साहिब यात्रा, श्री कैंची धाम यात्रा के अलावा अनेक सिद्ध पीठों और अपने अपने पैतृक गांवों में उत्तराखंड के प्रवासी लाखों की संख्या में उत्तराखंड पहुंचते हैं।

उन्होंने कहा कि मई जून में ही स्कूलों के अवकाश के कारण बड़ी संख्या में पर्यटक भी उत्तराखंड की ओर रुख करते हैं और यह संख्या आने वाले तीन वर्षों में कई गुणा बढ़ने वाली है क्यूंकि दिल्ली देहरादून का निर्माणाधीन एक्सप्रेस हाईवे जिससे तीन घंटे में दिल्ली से देहरादून पहुंचा जा सकेगा व ऋषिकेश कर्ण प्रयाग रेल लाइन जिसके दो तीन साल में शुरू होने की संभावना है इनके शुरू होते ही उत्तराखंड आने वालों की संख्या में कई गुणा इजाफा हो सकता है जिसके कारण भीड़ नियंत्रण करना अपने आप में एक अलग ही काम होगा जिसका बहुत वैज्ञानिक तरीके से अभी से प्रबंधन की योजना सरकार को बनानी चाहिए। धस्माना ने कहा कि राज्य के पास भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त पुलिस बल, एसडीआरएफ के जवान व किसी प्रकार की दुर्घटना या आपदा होने पर उससे निबटने के लिए क्विक रेस्पॉन्स बल होना चाहिए।

धस्माना ने कहा कि वह इस संबंध में मुख्यमंत्री को मिल कर एक सुझावपत्र भी सौंपेंगे।

क्या भारतीय विरासत को सहेज पाएगी आधुनिक वास्तुकला

अजय सिंह

आधुनिक वास्तुकला का संरक्षण एक सवालिया निशान के कटघरे में खड़ा है। जो भारतीय आर्किटेक्ट्स के लिए चिंता का विषय है। खासकर स्वतंत्रता के बाद की इमारतों के विध्वंस और योजनाबद्ध विध्वंस की श्रृंखला के बाद भारत यूरोपीय उपनिवेशवाद के लंबे दौर से उभर रहा है और आधुनिक युग की कलाओं और वास्तुकला के बीच अपनी परंपराओं को सहेजने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यूरोपीय प्रभाव अभी भी इस विद्या में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कि क्या भारतीय है और क्या महज नकल है। भारतीय वास्तुकारों के लिए यह एक चुनौती भरा कार्य है। आज के समय में भारतीय वास्तुकारों के लिए ऐसी शैली बनाना कठिन हो रहा है, जो एक उभरती हुई भारतीय सभ्यता को बाकी दुनिया और अपने निवासियों के सामने पर्याप्त रूप से प्रस्तुत कर सके। शहरों की योजना बनाने में वास्तुकला एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और सभ्यता के अवशेष बड़े पैमाने पर पीछे छोड़ी गई इमारतों के माध्यम से देखे जाते हैं। वास्तुकारों से कहा जाता है कि वे इतिहास को याद न करें, लेकिन पिछली सभ्यताओं द्वारा बनाए गए डिजाइन के सभी खजानों नालंदा, सांची और एलोरा को नजरअंदाज करना कैसे संभव है? आज हम चौकोर और गोल गगनचुंबी इमारतों की साधारण इमारतों में सिमट कर रह गए हैं, जो यह दर्शाती हैं कि बड़ी संख्या में लोग समृद्धि और विकास को क्या कहते हैं। एक विशिष्ट भारतीय सभ्यता बनाने का टैगोर का दृष्टिकोण तेजी से लुप्त हो रहा है, क्योंकि उपमहाद्वीप की इमारतें दुबई और सिंगापुर की छोटी रियासतों की नकल करने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, ये प्रतिकृतियां वैश्विक शहरों में देखे जाने वाले आधुनिक युग के आश्चर्यों की गुणवत्ता या पैमाने से मेल नहीं खाती हैं। क्या हमारी वर्तमान सभ्यता अब से कुछ सदियों बाद मुड़ी हुई धातु के ढेर और कांच के टुकड़ों के रूप में देखी जाएगी?

भारत का कोई भी शहर आधुनिक शहर के लिए कोई समाधान प्रस्तुत नहीं करता है। वे सभी तेजी से रहने लायक नहीं रह गए हैं, जिससे कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोग गोवा, हिल स्टेशनों या विदेश में दूसरे घरों की तलाश कर रहे हैं। वास्तविक परिवर्तन देखने का मौका तब मिला जब शेष आंध्र प्रदेश राज्य के लिए एक राजधानी की परिकल्पना की गई। बौद्ध राजधानी के नाम पर इसे अमरावती कहा जाना था, जो इस क्षेत्र के पुराने साम्राज्यों का केंद्र था। बहुत कम लोग जानते हैं कि उस भूमि, जो अब आंध्र प्रदेश है, में लोग ८०० वर्षों तक बौद्ध धर्म का पालन करते रहे। हालांकि, कई प्रयासों के बाद, वर्तमान राज्य सरकार ने तीन राजधानी क्षेत्र बनाने का फैसला किया और सत्ता का विकेंद्रीकरण किया गया-लंबाई को देखते हुए एक स्मार्ट निर्णय राज्य। लेकिन इन विभिन्न राजधानियों में उपनगरों की संख्या अधिक थी, जहां कंक्रीट और कांच पनपते हैं। यह सब बहुत निराशाजनक लगता है और वास्तव में ऐसा है। भारतीय वास्तुकला और उसके आवास का भविष्य गोवा में कुछ भव्य विला और मुंबई और दिल्ली में कुछ बड़े वातानुकूलित फ्लैटों द्वारा दर्शाया गया है। इसलिए वास्तुकारों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे शहर के परिदृश्यों को एक साथ लाने का प्रयास करें और नए डिजाइन तैयार करें जो समुदाय-संचालित हों। मुंबई का एक उपनगर कोलाबा, एक ऐसी बस्ती का उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां अमीर और गरीब एक साथ मिलते हैं और पूर्ण जीवन जीते हैं। यह शक्तिशाली अधिकतम शहर का एक सूक्ष्म रूप है और एक ऐसी जगह है जहां सब कुछ उपलब्ध है और विरासत इमारतों को कुछ सुरक्षा प्रदान की जाती है। इमारतों का पुनः उपयोग किया जा रहा है और एक उत्कृष्ट उदाहरण एक पूर्व गोदाम के अंदर बनाया गया कैफे है, जो जल गया था और बाहरी हिस्सा बरकरार रखा गया था। एक अन्य प्रसिद्ध नवीकरण बैलार्ड एस्टेट में एक बर्फ फैक्ट्री है जिसे घटनाओं के लिए एक आधुनिक गैलरी और प्रदर्शनी स्थल में बदल दिया गया है। चारमीनार पर केन्द्रित हैदराबाद का पुराना शहर भी आधुनिक राजधानी के महानगर के भीतर एक स्वतंत्र बस्ती है और आधुनिक हैदराबाद की अराजकता से काफी स्वतंत्र है। इसकी प्राचीनता के कारण, निवासी अपनी अर्थव्यवस्था के साथ एक द्वीप पर रहते हैं और काम करते हैं। भारत के कई अन्य शहरों में ये गुण हैं-जिनमें जोधपुर, लखनऊ और कोलकाता सबसे बड़े हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत में मंदिरों, मस्जिदों, महलों और किलों की महान स्थापत्य परंपरा रही है। यहां तक कि जब भी हम भारतीय वास्तुकला के संदर्भ में सोचते हैं, हमारे मस्तिष्क में ताजमहल, फतेहपुर सीकरी और दक्षिण भारत के मंदिरों का चित्र बन जाता है। आर्किटेक्ट इन नुकसानों पर दुख व्यक्त करते हैं क्योंकि वे अपने सर्वोत्तम मूल्यों को अपनाते हैं और देश की प्रगति, आविष्कार और वास्तुकला के योगदान पे बाते करते है इन अनुकरणीय संरचनाओं के बिना, वे चिंतित हैं कि पहले से ही संकटग्रस्त पेशा और अधिक तकलीफ में आ जाएगा। कुछ प्रमुख कारकों ने आधुनिक वास्तुकला को इस स्थान पर ला खड़ा किया है। सबसे पहले, उम्र को विरासत के गठन के प्राथमिक निर्धारक के रूप में रखा जा रहा है। दूसरा, भारतीय वास्तुकला विमर्श आधुनिक वास्तुकला पर गैर-स्वदेशी होने का संदेह जताता है। तीसरा है आधुनिक वास्तुकला का नए के प्रति व्यस्त रहना और अपनी प्रासंगिकता स्थापित करने के लिए इतिहास को नकारना।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

चेहरे के हिसाब से चुनना चाहिए धूप के चश्मे

सनग्लासेज केवल फैशन के लिए ही नहीं बल्कि जरूरत के भी पहनने की सलाह दी जाती है। अगर फेस शेप के मुताबिक सही धूप के चश्मे को न चुना जाए, तो आपका लुक खराब होने के साथ ही आंखों की देखभाल भी नहीं हो पाती।

अलग-अलग चेहरे के हिसाब से चुनना चाहिए सनग्लासेज।

चौकोर चेहरे वाले लोगों को कैट-आई वाले फ्रेम, ओवल फ्रेम और राउंड फ्रेम वाले चश्मे को चुनना चाहिए। यह आपकी लुक को निखारने में मदद करेगा।

हार्ट शेप वाले चेहरे के लिए क्लबमास्टर फ्रेम, राउंड फ्रेम और कैट-आई फ्रेम चुनना चाहिए। दिल के आकार के चेहरों के लिए धूप के चश्मे में कैट-आई फ्रेम शामिल हो सकते हैं, जो रेट्रो टच देते हैं और खूबसूरती को निखारते हैं।

ओ-ब्लॉन्ग शेप वाले चेहरे के लिए रैपअराउंड स्टाइल वाले चश्मे बेहतरीन लग सकते हैं। इसके अलावा बटरफ्लाई शेप वाले फ्रेम्स भी एक बेहतर विकल्प है। गोल चेहरे के लिए ब्राउनलाइन फ्रेम, ज्योमेट्रिक फ्रेम, स्क्वायर फ्रेम वाले चश्मे बेहतर विकल्प हैं। चेहरे की मासूमित को बैलेंस करने के लिए गोल चेहरे वाले लोग इन अलग-अलग शेप वाले सन ग्लासेज को चुनें। छोटे चेहरे वाली महिलाओं के लिए रेक्टैंगुलर फ्रेम, गोल फ्रेम और ओवरसाइज्ड फ्रेम के सनग्लासेज बढ़िया विकल्प हो सकते हैं। छोटे चेहरे वाली महिलाओं को ऐसे फैशन ऑप्शन्स अपनाने चाहिए जो उनके फेस को निखारें। अंडाकार यानी ओवल शेप वाले चेहरे के लिए वेफेरर, एविएटर्स और कैट-आई वाले फ्रेम्स सूट करते हैं। इस तरह के चश्मे को पहनने से फेस शेप का बैलेंस बनाए रखने और स्टाइलिश दिखने में मदद मिलती है।(आरएनएस)

दांत निकल रहे हैं तो बच्चों के लिए घर में बनाएं टीथर, जानें कैसे

जब बच्चों के दांत आने लगते हैं, तो उन्हें काफी दर्द होता है। इस समय में बच्चों को खास तरह की चीजें चबाने में मजा आता है जिन्हें हम टीथर कहते हैं। ये टीथर बच्चों के मसूड़ों को आराम पहुंचाते हैं लेकिन बाजार में मिलने वाले कुछ टीथर्स से इन्फेक्शन का खतरा भी हो सकता है, क्योंकि ये गंदे हो सकते हैं और उनपर बैक्टीरिया लग सकते हैं। अगर आप चाहते हैं कि बिना किसी चिंता के आपका बच्चा दर्द से राहत पाए, तो आप घर पर ही टीथर बना सकते हैं। यह सस्ता और सुरक्षित तरीका है। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप आसानी से घर पर टीथर बना सकते हैं और अपने बच्चे को दर्द से आराम दिला सकते हैं। घर पर टीथर बनाने की विधि :

रुमाल तैयार करना

सबसे पहले, आपको कुछ साफ रुमाल चाहिए होंगे। इन रुमालों को अच्छी तरह से धो लें और उन्हें सुखा लें। यह सुनिश्चित कर लें कि रुमाल पूरी तरह से साफ हों, क्योंकि बच्चा इन्हें मुंह में डालेगा।

रुमाल को बांधना

दो या तीन रुमालों को एक साथ बांधें। इनमें से एक छोर को ऐसे मोड़ें कि यह गोल बॉल जैसा दिखे। इस गोल बॉल को बच्चा चबाएगा। ध्यान रखें कि एक छोर खुला रहे ताकि आप इसे फिर से धो सकें।

ठंडा करना

बांधे हुए रुमाल को फ्रिज में रख दें। ठंडा होने पर, यह बच्चे के मसूड़ों को ठंडक पहुंचाएगा और दर्द में आराम देगा।

उपयोग में लाना

जब आपका बच्चा मसूड़ों में दर्द महसूस करे, तो उसे यह ठंडा रुमाल दें ताकि वह इसे चबा सके। यह उसे दर्द से तुरंत राहत देगा और उसके मसूड़ों को आराम देगा।

सफाई

बच्चे के चबाने के बाद, रुमाल को फिर से अच्छी तरह से धो लें। यह बहुत जरूरी है क्योंकि इससे संक्रमण का खतरा कम होता है। इस तरह से बनाया गया टीथर न केवल बच्चे के लिए सुरक्षित होता है बल्कि यह उसकी दर्द और बेचैनी को भी कम करता है। इस आसान तरीके से आप अपने बच्चे के दांत निकलने के समय को थोड़ा आसान बना सकते हैं।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -95

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अहेरी 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

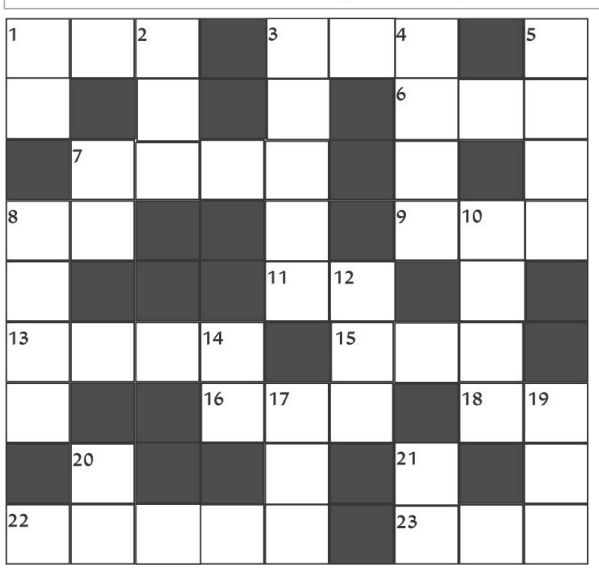

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 94 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

रोहित सराफ की फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड को मिली नई रिलीज तारीख

रोहित सराफ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड को लेकर चर्चा में हैं।इस फिल्म में जिबरान खान, पश्मीना रोशन और नैना ग्रेवाल जैसे सितारे भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। निपुण अधिकारी ने इस फिल्म का निर्देशन किया है।अब रोहित ने इश्क विश्क रिबाउंड के एक साथ 5 पोस्टर जारी किए हैं, जिन्हें सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।इसके साथ रोहित ने फिल्म की नई रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया है।

फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड पहले 28 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। अब इस फिल्म की नई रिलीज तारीख का ऐलान हो गया है।इस फिल्म के लिए आपको ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। यह फिल्म अब 21 जून, 2024 को सिनेमाघरों का रुख करेगी।इश्क विश्क रिबाउंड के बाद रोहित फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आएंगे, जिसमें वह वरुण धवन और जाह्नवी कपूर के साथ अभिनत करते नजर आएंगे। यह फिल्म 2003 की मशहूर फिल्म इश्क विश्क का सीक्वल है, जिसमें शाहिद कपूर के साथ अमृता राव, विशाल मल्होत्रा और शेनाज़ ट्रेजरीवाला ने अभिनय किया था। निर्माताओं के अनुसार, फिल्म को समकालीन समयरेखा में फिट करने के लिए रीबूट किया गया है और यह सहस्राब्दी और जेन-जेड पीढ़ी के बीच संबंधों पर एक आधुनिक और भरोसेमंद दृष्टिकोण पेश करती है। इश्क विश्क रिबाउंड का निर्माण रमेश तौरानी द्वारा किया गया है और टिप्स फिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले जया तौरानी द्वारा सह-निर्माता है। रोहित को आलिया भट्ट की फिल्म डियर जिंदगी और वेब सीरीज मिसमैच्ड में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है, दूसरी ओर, पश्मीना अभिनेता ऋतिक रोशन की चचेरी बहन हैं, जबकि जिबरान खान करण जौहर की ड्रामा फिल्म कभी खुशी कभी ग़म में एक बाल कलाकार थे। (आरएनएस)

बड़े पर्दे पर धमाका मचाने के बाद ओटीटी पर लौटी कॉमेडी फिल्म मडगांव एक्सप्रेस

मडगांव एक्सप्रेस से कुणाल खेमू ने बतौर निर्देशक बड़े पर्दे पर कदम रखा है। कम बजट में बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कमाई की थी। अगर आपने बाय चांस सिनेमाघर में इस फिल्म को मिस कर दी है तो कोई फिक्र करने की जरूरत नहीं है क्योंकि सिनेमाघरों के बाद फिल्म ओटीटी पर आ गई है।

मडगांव एक्सप्रेस दो महीने के बाद सिनेमाघरों से उतरकर ओटीटी पर रिलीज की गई है। कॉमेडी से भरी फिल्म में मिर्जापुर के मुन्ना भैया उर्फ दिव्येंदु, अविनाश तिवारी और प्रतीक गांधी ने अपने अभिनय से दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान ला दी थी। कुणाल खेमू के निर्देशन की भी कम तारीफ नहीं हुई। 22 मार्च को थिएटर्स में रिलीज हुई मडगांव एक्सप्रेस करीब दो महीने के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है। यह मूवी ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। प्राइम वीडियो के इंस्टाग्राम हैंडल से जानकारी साझा की गई है। पोस्टर के साथ लिखा गया है, आखिरकार गोवा ट्रिप ने जीसी को छोड़ दिया है।

मडगांव एक्सप्रेस के ओटीटी पर आते ही फैंस खुशी से गदगद हो गये हैं। एक यूजर ने कहा, इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। एक और ने कहा, फुल एंटरटेनमेंट से भरी फिल्म। जरूर देखनी चाहिए। एक और यूजर ने लिखा, फिर से दोबारा ओटीटी पर देखने जा रही है। बहुत खूबसूरत फिल्म है। एक ने कहा, सबसे क्रेजी ट्रिप। लोग फिल्म को ओटीटी पर उतरने से बहुत खुश हैं।

एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म मडगांव एक्सप्रेस की कहानी तीन दोस्तों की है, जो गोवा ट्रिप पर जाने की प्लानिंग करते हैं। खुशी-खुशी गोवा ट्रिप पर निकले तीन दोस्तों की जर्नी बीच में एक बड़ा टर्न लेती है जो तीनों की लाइफ बदल देती है। फिल्म 50 दिन तक बड़े पर्दे पर टिकी रही। रिपोर्ट के मुताबिक, मूवी ने कुल 48 करोड़ का कारोबार किया है।(आरएनएस)

हंसल मेहता ने आगामी सीरीज स्कैम 2010-द सुब्रत रॉय का किया ऐलान, सोनी लिव पर जल्द होगा प्रसारण

मशहूर डायरेक्टर और फिल्म मेकर हंसल मेहता अपनी नई स्कैम सीरीज़ स्कैम 2010ः द सुब्रत रॉय सागा के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। डायरेक्टर ने पहले अपनी सीरीज़ स्कैम 1992 और स्कैम 2003 के लिए काफी प्रसिद्धि हासिल की है, और उनकी स्कैम सीरीज़ की सूची में यह नए जुड़ाव आशाजनक लग रहा है।

हंसल मेहता ने ट्विटर पर एक टीजर वीडियो के साथ नई स्कैम सीरीज़ की घोषणा की और लिखा, सीरीज का तीसरा भाग वापस आ गया है! स्कैम 2010ः द सुब्रत रॉय सागा, जल्द ही सोनी लिव पर आ रहा है।

फिल्म स्कैम 2010, मनमौजी व्यवसायी सुब्रत रॉय की धूल से हीरे बनने की कहानी है। 2000 के दशक की शुरुआत में, ग्लैमरस रॉय चिट-फंड हेरफेर से लेकर फर्जी निवेशकों तक के आरोपों के बवंडर में फंस गए, जिसके कारण अंततः 2014 में उनकी गिरफ्तारी हुई। 25,000 करोड़ रुपये अभी भी सरकारी अधिकारियों के

पास लावारिस पड़े हैं, घोटाले के दुष्परिणाम आज भी सुनाई दे रहे हैं।

हंसल मेहता ने नई सीरीज के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया और कहा, स्कैम मेरे लिए सिर्फ एक फ्रेंचाइजी नहीं है। यह हमारे समय का इतिहास है। मैं जीवन से भी बड़ी कहानी को जीवंत करने के लिए अप्लॉज और सोनी लिव के साथ फिर से सहयोग करने के लिए रोमांचित हूं।

स्कैम 1992ः द हर्षद मेहता स्टोरी और स्कैम 2003ः द टेल्गी स्टोरी की सफलता पर आधारित, नवीनतम किस्त भारत के सबसे चर्चित वित्तीय घोटालों में से एक - स्कैम 2010 - द सुब्रत रॉय सागा की गहराई में उतरेगी। तमल बंद्योपाध्याय की पुस्तक - सहाराः द अनटोल्ड स्टोरी पर आधारित, श्रृंखला का निर्माण स्टूडियो नेक्स्ट के सहयोग से अप्लॉज़ एंटरटेनमेंट द्वारा किया जाएगा और हंसल मेहता द्वारा निर्देशित किया जाएगा।

हर्षद मेहता के शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल और गिरावट के मनोरंजक चित्रण से लेकर अब्दुल करीम तेलगी के नकली साम्राज्य के ज्वलंत चित्रण तक, स्कैम फ्रेंचाइजी भारत में वित्तीय धोखाधड़ी की कुख्यात कहानियों पर प्रकाश डालती है। (आरएनएस)

कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन का तीसरा पोस्टर किया शेयर

कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन के दो पोस्टरों के बाद शुक्रवार को फिल्म से एक और नए पोस्टर को शेयर किया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने ये भी खुलासा किया है कि फिल्म का ट्रेलर कब और कहां रिलीज होने वाला है। बॉलीवुड के लकी चार्म कार्तिक ने पोस्टर शेयर करते हुए बताया है कि ये उनके करियर का प्राउड मोमेंट हैं। वहीं अब लंबे समय के बाद चंदू चैंपियन के सबसे चर्चित सीन को लेकर अपडेट शेयर की है। एक्टर ने उनकी फिल्म के लिए जो 8 मिनट का सिंगल-टेक वॉर सीक्वेंस शूट किया है उस के बारे में एक शानदार खुलासा किया है।

कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन फिल्म के 8 मिनट लंबे सिंगल-टेक वॉर सीक्वेंस की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। पोस्टर के साथ उन्होंने लिखा, मेरे अब तक के करियर का वो प्राउड मोमेंट जो मैं कभी नहीं भू ल सकता हूं। कार्तिक ने खुलासा किया है कि इस फिल्म के लिए उन्होंने 8 मिनट का सिंगल-टेक वॉर सीक्वेंस शूट किया है, जो उनके करियर का सबसे खास और यादगार शॉट बन गया है।

इस हफ्ते की शुरुआत में कार्तिक आर्यन ने फिल्म के दो पोस्टर शेयर किए। इनमें से एक पोस्टर में उन्हें अपनी रिप्ड बॉडी और टोन्ड एब्स दिखाते हुए देखा जा सकता है। पोस्टर में उन्हें बॉक्सिंग रिंग के अंदर बॉक्सिंग ग्लव्स और ब्लैक शॉर्ट्स पहने हुए देखा जा सकता है। वहीं पहले पोस्टर की बात करें तो उसमें कार्तिक पूरी ताकत के साथ दौड़ते नजर आए। अब सिंगल-टेक वॉर सीक्वेंस की पहली झलक ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। 8 मिनट तक इस सिंगल-टेक वॉर सीक्वेंस को बिना किसी रिटेक के पूरा किया गया है। चंदू चैंपियन और भूल भुलैया 3 की रिलीज के कारण कार्तिक आर्यन भी चर्चा में बने हुए हैं। वर्कफ्रंट की बात करे तो वह इन दिनों अपनी प्रोफेशनल में काफी ज्यादा बिजी हैं। बता दें कि फिल्म भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी और विद्या बालन के अलावा माधुरी दीक्षित भी नजर आ सकती हैं।

ब्रिजर्टन के तीसरे भाग में शामिल हुई बनिता संधू

वेब सीरीज ब्रिजर्टन के पिछले दोनों सीजन को दर्शकों का काफी प्यार मिला है।प्रशंसक पिछले लंबे वक्त से इसके तीसरे सीजन का इंतजार कर रहे हैं, जो अब खत्म हो चुका है।दरअसल, ब्रिजर्टन 3 के पहले भाग का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर हो रहा है।ब्रिजर्टन 3 की कहानी और तमाम सितारों की अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है, वहीं अभिनेत्री बनिता संधू ने इस सीरीज में मिस मल्होत्रा बन सबका दिल जीत लिया है।

बनिता की अदाकारी की हर शख्स तारीफ कर रहा है। वह इस सीरीज के दूसरे भाग में भी नजर आएंगी, जो 13 जून, 2024 को रिलीज होगा।बनिता एक ब्रिटिश-भारतीय अभिनेत्री हैं। उन्होंने वरुण धवन की फिल्म अक्टूबर के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई।इन दिनों बनिता अदिवी शेष की पैन इंडिया फिल्म गुडाचारी 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म की रिलीज तारीक फिलहाल सामने नहीं आई है।

ब्रिजर्टन सीजन 3 में बनिता संधू एक राजकुमारी के किरदार में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस इस शो के रीजेंसी एरा में शामिल हो गई हैं।

भारतीय और विदेशी दोनों सिनेमा में काम करने वाले बनिता संधू ने ब्रिजर्टन सीजन् 3 में कमाल का अभिनय किया है। जूलिया क्विन की किताब पर आधारित इस नेटफ्लिक्स सीरीज में बनिता ने मिस मल्होत्रा की भूमिका निभाई है। शो में उनके किरदार का परिचय होते ही नेटिज़न्स ने रिएक्शन देना शुरू कर दिया है। भारतीय फैंस बनिता को इस सीरीज में देख थोड़ा हैरान रह गए थे। ब्रिजर्टन फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग कर रही है।

बनिता संधू एक ब्रिटिश-भारतीय मॉडल और अभिनेत्री हैं जो हिंदी भाषा की फिल्मों और टेलीविजन विज्ञापनों में काम करती हैं। यूनाइटेड किंगडम में जन्मी संधू ने यूनाइटेड किंगडम में एक मॉडल के रूप में अपना करियर शुरू किया। वह भारत में विभिन्न टेलीविजन विज्ञापनों में भी दिखाई दी हैं। (आरएनएस)

सरल और समझ में आने वाले फैसलों के अनेक पहलू हैं

हिमानी सिंह

गांधी जी ने 1909 में कहा था कि शीर्ष पदों पर बैठे लोगों की एकमात्र चिंता पद पर बने रहने की होती है, जिसके कारण वे न्याय के प्रति कम रुचि दिखाते हैं। अंग्रेजी शासन खत्म होने के बाद कई दशक बाद 21वीं सदी में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। संविधान में गांधी के आदर्शों का अनुमोदन करते हुए प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि जज राजकुमार नहीं हैं। न्यायाधीश लोगों की सेवा करने और अधिकार दिलाने वाले होते हैं, इसलिए वे सही और समझने योग्य फैसले लिखने की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। अशिक्षित लोग तो पढ़ नहीं सकते, लेकिन औसत शिक्षित लोगों के लिए भी अदालती फैसलों को समझना मुश्किल होता है। प्रधान न्यायाधीश के बयान के चार अहम पहलुओं पर स्वस्थ चर्चा जरूरी है।

पहला- जज राजकुमार नहीं होते। जिला अदालतों में मजिस्ट्रेट और जजों की नियुक्ति परीक्षा और इंटरव्यू से होती है। लेकिन हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों के कॉलेजियम द्वारा नियुक्ति होती है। मोदी सरकार को यदि तीसरा कार्यकाल मिला, तो जजों की नियुक्ति के लिए न्यायिक आयोग के कानून को नये सिरे से बनाने की कोशिश होगी। नियुक्ति प्रणाली के साथ-साथ जजों को हटाने के लिए बनाये गये कठिन महाभियोग प्रक्रिया की आलोचना भी होती है। संविधान लागू होने के 74 साल बाद अभी तक किसी भी जज को महाभियोग से नहीं हटाया गया है।

कई रिटायर्ड जजों ने न्यायिक व्यवस्था में सामंतवाद की आलोचना की है। दूसरा- न्यायाधीश लोगों की सेवा करने और अधिकार दिलाने के लिए होते हैं। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला आया है, जिसके अनुसार वकीलों को उपभोक्ता संरक्षण कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। साल 1996 में आईएमए मामले में सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को उपभोक्ता संरक्षण कानून के दायरे में लाने का फैसला दिया था। अब उस पर भी पुर्नविचार की बात हो रही है।

वकीलों ने यह तर्क दिया था कि मुकदमों में क्लाइंट और वकीलों के अलावा जजों का तीसरा पक्ष शामिल रहता है। इसलिए उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत वकीलों की जिम्मेदारी नहीं बननी चाहिए। लेकिन प्रधान न्यायाधीश ने अपने बयान में जजों को सर्विस प्रदाता बताया है। इससे उलझनें बढ़ सकती हैं। गलत या देर से फैसले देने वालों जजों के खिलाफ अयोग्यता, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता के आधार पर वेतन वृद्धि या प्रोन्नति रोकने या बर्खास्तगी जैसे दंडात्मक प्रावधानों की मांग बढ़ सकती है।

तीसरा- जज लोगों को अधिकार दिलाते हैं। दिल्ली शराब घोटाले के एक आरोपी अमनदीप सिंह ढल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के नये फैसले के अनुसार जमानत का जल्दी निपटारा नहीं होने से लोगों को बेवजह जेल में रहना पड़ता है। न्यूजक्लिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी को अवैध ठहराते हुए उनकी रिहाई का फैसला दिया है। उन्हें आठ महीने जेल में रहना पड़ा। उनकी अवैध गिरफ्तारी और संवैधानिक अधिकारों के हनन के लिए पुलिस और जांच एजेंसियों के साथ जिला अदालतों और हाईकोर्ट के जजों की भी जिम्मेदारी बनती है। पचास दिन की कैद के बाद अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी है। इस फैसले को नजीर मानते हुए पंजाब हाईकोर्ट ने कांग्रेस के एक नेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दिया है। लेकिन सुनवाई फिर टलने की वजह से हेमंत सोरेन को चुनाव प्रचार का हक नहीं मिल पा रहा है। अंतरिम जमानत पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सही तरीके से आगे बढ़ाया जाये, तो हजारों लोगों को जेल के बंधन से मुक्ति मिल सकती है। क्या जमानत की अर्जी के बगैर अंतरिम जमानत मिल सकती है? अगर जेल से वोट डालने का अधिकार नहीं है, तो फिर चुनाव प्रचार का संवैधानिक अधिकार कैसे मिल सकता है? क्या नेताओं को आम जनता से ज्यादा अधिकार हासिल हैं? ऐसे अनेक बिंदुओं पर न्यायिक एकरूपता आये, तो आरोपियों को जिला अदालतों और हाईकोर्ट से जमानत मिलने में आसानी रहेगी।

चौथा- सरल और समझ में आने वाले फैसलों के अनेक पहलू हैं। फैसलों का मुख्य आधार कानून हैं, जो जटिल होने के साथ अंग्रेजी भाषा में हैं। भारी दस्तावेज और लंबी सुनवाई के बाद दुरुह और विरोधाभासी फैसलों से मुकदमेबाजी का मर्ज बढ़ता जाता है। कई जज कानून से ज्यादा वकील के चेहरे और आरोपी की हैसियत के अनुसार फैसला देते हैं। कई फैसलों में व्यक्तिगत आग्रह प्रभावी होते हैं, जिससे विवाद के साथ न्यायपालिका की साख भी गिरती है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सुंदरेश की बेंच ने अहम फैसला दिया है कि सजा देने के बारे में सभी अदालतों में स्पष्ट और समान नीति होनी चाहिए। जजों की मनमर्जी से सजा होना कानून सम्मत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले देश का कानून माने जाते हैं, लेकिन कई बार जज ही उन पर अमल नहीं करते। हरियाणा में सामुदायिक भूमि के मामले में 1967 के फैसले को दरकिनार कर 2022 में दो जजों ने गलत फैसला दिया था। सही फैसले तर्कसंगत और स्पष्ट तरीके से दिये जाते हैं, जबकि मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए गलत फैसलों में जटिल भाषा का इस्तेमाल होता है।

संविधान पीठ के फैसले सबसे ज्यादा दुरुह होते हैं। उन मामलों में लंबी-चौड़ी सुनवाई और बड़े फैसलों से जजों का मान-मर्दन होता है। लेकिन ऐसे बड़े फैसलों से जमीनी तौर पर आम जनता को सीमित लाभ मिलता है।

साल 2017 में सुप्रीम कोर्ट के नौ जजों की एक संविधान पीठ के बड़े फैसले के बावजूद निजता के अधिकार के बारे में कोई कानूनी स्पष्टता नहीं है। इसी तरीके से मुंबई में निजी संपत्ति के अधिग्रहण से जुड़े अनुच्छेद 39-बी के मामले में नौ जजों की संविधान पीठ ने कई दिन तक सुनवाई करने के बाद फैसला रिजर्व रखा है। लेकिन उसके पहले ही दो जजों की बेंच ने एक अहम फैसला देकर अनुच्छेद 300-ए के तहत संपत्ति के अधिकार से जुड़े सात पहलुओं को संवैधानिक मान्यता दी है। जमानत के मामलों में हफ्तों सुनवाई के बाद बड़े और जटिल फैसले आते हैं, जिससे मुख्य मामले की मेरिट पर प्रभाव पड़ता है। आम लोगों से जुड़े मामलों के जल्दी निपटारे के चक्कर में पूरी फाइल पढ़ने की बजाय जज दो पन्ने का संक्षेपण लेना पसंद कर रहे हैं। इससे भारी-भरकम चार्जशीट और निचली अदालतों के दस्तावेज बेमानी हो जाते हैं। फैसलों में तकनीक के इस्तेमाल की बहुत बातें हो रही हैं। लेकिन इसके बारे में नियम और कानून के बगैर फैसले लिखने का चलन बढ़ा, तो अन्याय और अराजकता बढ़ सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सू- दोकू क्र.95

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.94का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

कोयले के खनन और ढुलाई से पर्यावरण को नुकसान

शेष विश्व की तरह भारत भी बिजली उत्पादन के लिए लंबे समय से कोयले पर निर्भर रहा है। तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधन भी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति का बड़ा आधार रहे हैं। ये स्रोत बड़े पैमाने पर प्रदूषण के कारण रहे हैं। कोयले के खनन और ढुलाई से भी पर्यावरण को नुकसान होता है तथा तेल एवं गैस की खरीद पर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। देश में गैस और तेल उत्पादन से भी अनेक समस्याएं पैदा होती हैं। पर स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन और उपभोग में बढ़ोतरी से इनके उपयोग में उत्साहजनक कमी आने लगी है। साल 1966 के बाद यानी लगभग छह दशकों में पहली बार ऐसा हुआ है कि बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से नीचे आयी है। इस वर्ष जनवरी से मार्च की अवधि में देश में 13,669 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता जोड़ी गयी है, जो एक रिकॉर्ड है। इस क्षमता में स्वच्छ ऊर्जा का हिस्सा 71.5 प्रतिशत है।

स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन में भारत दुनिया के अग्रणी देशों में है। इंस्टिट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस की रिपोर्ट में रेखांकित किया गया है कि भारत सरकार ने 2030 तक बिजली उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों के योगदान को 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। उस समय सीमा से पहले ही इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए ठोस आधार तैयार हो रहा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि हमें अपनी विकास आकांक्षाओं तथा बढ़ती मांग की पूर्ति के लिए ऊर्जा की बड़ी आवश्यकता है। इस कारण जीवाश्म ईंधनों पर हमारी निर्भरता स्वाभाविक है तथा अभी कई वर्षों तक हमें उनकी जरूरत है। फिर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जलवायु संकट के समाधान के लिए स्वच्छ ऊर्जा को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह बड़े संतोष की बात है कि दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी कोयले के इस्तेमाल का अनुपात घटता जा रहा है।

जी-7 के देशों में पिछले साल कोयले की मांग 1900 के बाद सबसे कम रही। समूह में शामिल विकसित देशों ने बीते माह 2035 तक कोयले से बिजली उत्पादन को पूरी तरह बंद करने का संकल्प लिया है। धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित रखने के लिए उत्सर्जन अत्यंत निम्न स्तर पर लाना जरूरी है। इस दिशा में यह वर्ष बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है। इस प्रक्रिया में भारत विश्व के समक्ष एक आदर्श उदाहरण के रूप में स्थापित हुआ है। (आरएनएस)

बढ़ता डिजिटल सेवा निर्यात

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना तकनीक से संबंधित वस्तुओं के बढ़ते निर्यात के साथ-साथ भारत डिजिटल माध्यम से मुहैया करायी गयीं सेवाओं के निर्यात में भी वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। विश्व व्यापार संगठन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2023 में भारत ने 257 अरब डॉलर मूल्य के ऐसी सेवाओं का निर्यात किया है, जो 2022 की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है। इस क्षेत्र में भारत जर्मनी और चीन को पीछे छोड़ते हुए चौथे स्थान पर आ गया है।

अब भारत से आगे केवल अमेरिका, ब्रिटेन और आयरलैंड हैं। डिजिटल माध्यम से सेवा मुहैया कराने का अर्थ यह है कि कंप्यूटर नेटवर्क का इस्तेमाल कर शिक्षा, गेमिंग, मनोरंजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि के लिए दक्ष ऑपरेटर, कुशल प्रोग्रामर और कोडिंग विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देते हैं। वैश्विक सेवा व्यापार में डिजिटल माध्यम से मुहैया करायी जाने वाले सेवाओं का हिस्सा अब 20 फीसदी से भी ज्यादा हो गया है। यह आंकड़ा 2005 में 14 प्रतिशत था। वस्तुओं के निर्यात में कई कारणों- भू-राजनीतिक तनाव, हिंसक संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला में अवरोध, मुद्रास्फीति में वृद्धि, मांग में कमी आदि- से बीते वर्षों में उतार-चढ़ाव होता रहा है। हालांकि इस वर्ष बेहतरीन की उम्मीद जतायी जा रही है, लेकिन आशंकाएं भी बनी हुई हैं।

इस रुझान के उलट कोरोना महामारी के दौर से पहले के तुलना में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल सेवाओं का निर्यात अभी 50 प्रतिशत से अधिक के स्तर पर है। इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा भी बहुत है क्योंकि कई देश सॉफ्टवेयर, प्रोग्रामिंग, कोडिंग आदि डिजिटल क्षमताओं को बढ़ाने में जुटे हैं। अनेक देश ऐसी सेवाओं के आयात करने के बजाय अपने देश में इन्हें विकसित कर रहे हैं, भले ही उनकी गुणवत्ता कमतर हो। फिर इन सेवाओं से डाटा सुरक्षा और संग्रहण के मुद्दे भी जुड़े होते हैं। ऐसी स्थिति में भारत से डिजिटल सेवा निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि से यह इंगित होता है कि इन सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता उत्कृष्ट है तथा सुरक्षा को लेकर भी भारतीय सेवा प्रदाताओं पर भरोसा बढ़ा है। बीते वित्त वर्ष में अप्रैल 2023 से फरवरी 2024 के बीच भारत से वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात 709 अरब डॉलर से अधिक रहा है तथा इस अवधि में हमारा कुल आयात 782 अरब डॉलर से ज्यादा हुआ है। हाल के वर्षों में भारत सरकार ने आर्थिक सुधारों, नीतिगत पहलों तथा प्रोत्साहन कार्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उत्पादन तथा निर्यात बढ़ाने को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। घरेलू बाजार में भी देशी उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है। विदेशी निवेश, तकनीक और साझेदारी बढ़ाने के लिए भी सरल नियमों को लागू किया जा रहा है। इन प्रयासों के उत्साहजनक नतीजे हमारे सामने हैं। डिजिटल सेवा जैसे क्षेत्र में वृद्धि से नया बाजार भी हासिल हो रहा है। (आरएनएस)

शीतकालीन परिधानों की प्रदर्शनी का शुभारंभ

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड रेडीमेंड गारमेंटस डिस्ट्रीब्यूटर्स एंड एजेंटस एसोसिशएन के द्वारा तीन दिवसीय शीतकालीन परिधानों की प्रदर्शनी का शुभारम्भ हुआ।

आज यहां उत्तराखंड रेडीमेड गारमेंट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स एंड एजेंट्स ऐसोसिएशन के द्वारा हरिद्वार रोड स्थित एक वेडिंग प्वाइंट में आयोजित तीन दिवसीय शीतकालीन परिधान प्रदर्शनी का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करने के पश्चात अतिथियों व व्यापारियों को संबोधित करते हुए उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि उत्तराखंड एक नवोदित युवा राज्य है और इसमें स्थाई निवासियों के अलावा यहां हर वर्ष आने वाले पर्यटकों व तीर्थयात्रियों की संख्या यहां की आबादी से ज्यादा है इसलिए यहां उपभोग की वस्तुओं चाहे वो परिधान हों या भोजन इनके व्यापार की अपार संभावनाएं व अवसर हैं। उन्होंने कहा कि रोटी कपड़ा और मकान मनुष्य के उपभोग की वह वस्तुएं हैं जिनकी आवश्यकता है।

इंसान को है चाहे वह कितना गरीब से गरीब हो या फिर अमीर से अमीर इसलिए इन चीजों का व्यापार करने वालों को सभी तरह के ग्राहक को ध्यान में रखते हुए अपने उत्पाद बनाने चाहिएं। धस्माना ने कहा कि उत्तराखंड में फ्लोटिंग पॉपुलेशन यहां के स्थानीय नागरिकों से भी अधिक रहती है और सर्दियों में तो सर्दियों के परिधान बिकते ही हैं किंतु उत्तराखंड के अनेक पर्वतीय क्षेत्रों में गर्मियों में भी सर्दी हो जाती है जब मई जून में केदारनाथ व बद्रीनाथ में बारिश और बर्फबारी हो जाती है इसलिए उत्तराखंड एक ऐसा राज्य है जहां हर मौसम के परिधान बारह महीने बिकते हैं।

इस अवसर पर मुंबई से पधारे कीर्ति शाह, अशोक ठक्कर, निवर्तमान पार्षद संतोख नागपाल,सरदार इंदरजीत सिंह, जरियाब शीतीज दुआ सचिव, गुरप्रीत वासू, सरदार अमरजीत सिंह, विजय टंडन, नीरज टंडन, सरदार अमनदीप सिंहस्री गौतम तनेजा, राकेश बजाज, सुभाष आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जंगल में लगी आग से 14 बकरियों व एक कुत्ते की जलने से हुई मौत, एक व्यक्ति घायल

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। चिन्यालीसौड़ तहसील के अंतर्गत धरासू वन रेज के बनचौरा दिवारीखौल, डांडागांव, सिंगाणगांव रिखाणगांव के आस पास के जंगलों में भीषण आग लगी है। जिसके कारण आग की चपेट में आने से जहां 14 बकरियों के साथ एक कुत्ते की मौत हो गयी वहीं उनको बचाने के चक्कर में बकरियों को मालिक आग में झुलसने से घायल हो गया।

ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि ग्रामसभा खदाडा के पजन्याडू नामे तोक मे बचन सिहं की लगभग 14 बकरियों के साथ एक कुते की जलकर मृत्यु हो गई, वहीं बचन सिहं महर उम्र 55 वर्ष भी बकरियों को बचाने के चकर मे 25 प्रतिशत झुलसने से घायल हो गया, जिन्हें घायल अवस्था मे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनचौरा लाया गया जहां इनका उपचार किया जा रहा है। वहीं वन कर्मियों के साथ राजस्व विभाग , पशु चिकित्सक घटनास्थल पर पहुंचे और मृत मवेशियों का पोष्टमार्टम किया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि पीड़ित बचन सिहं की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है, इनके रोजगार का जरिया बकरीपालन ही था। घटना के बाद पीड़ित परिवार के सामने आर्थिक संकट पैदा हो गया है, ग्राम प्रधान अमोल सिहं महर व कनिष्ठ उप प्रमुख उर्मिला रांगड़ ने शासन प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

पुलिस व गौ तस्कर के बीच मुठभेड़...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

निवासी बागोवाली नई मंडी मुजफ्फरनगर उतर प्रदेश है जो वर्तमान में लंढौरा में किराये के मकान पर रहता था। जानकारी करने पर पुलिस को पता चला

कि उसका लंबा चौड़ा आपराधिक इतिहास है। पुलिस ने उसके पास से एक गौवंशीय पशु, एक तमंचा, तीन खोखा कारतूस व तीन जिंदा कारतूस बरामद किये गये है। पुलिस के अनुसार आरोपी अमीर आजम बागो वाली नई मंडी मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश का हिस्ट्रीशीटर है। जो नई मंडी थाने से गैंगस्टर एक्ट में भी वांछित चल रहा था।

सवारियों को उतारने को लेकर ऑटो चालक समर्थकों के साथ भिडे, 8 गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। सवारियां उतारने को लेकर दो ऑटो चालक अपने समर्थकों के साथ सरेआम सडक पर भीड गये। मारपीट की वीडियों वायरल होने पर पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 मई की रात्रि में थाना बसंत विहार क्षेत्र अन्तर्गत दो पक्षों में लड़ाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसका एसएसपी अजय सिंह द्वारा स्वयं संज्ञान लेते हुए बसंत विहार थाने को तत्काल दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

उक्त घटना की जांच करने पर पाया की ऑटो ड्राइवर आरिफ खान निवासी आजाद कॉलोनी व द्वितीय पक्ष ऑटो चालक हाकिम सिंह निवासी शास्त्री नगर थाना बसंत विहार द्वारा अपने-अपने साथियों के साथ एक दूसरे पक्ष के साथ रात्रि में अनुराग चौक के पास सवारी उतारने को लेकर बहस हो गई थी एवं दोनों पक्ष एक दूसरे के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। वीडियो का संज्ञान लेकर वसंत विहार पुलिस द्वारा अज्ञात के खलिाफ मुकदमा दर्ज किया गया तथा घटना में संलिप्त आठ लोगों को हिरासत में लेकर वैधानिक कार्यवाही की गई।

पूछताछ में उन्होंने अपने नाम हाकिम सिंह पुत्र नाथू राम निवासी शास्त्री नगर खाला थाना बसंत विहार, सुजीत कुमार पुत्र जय किशोर पासवान निवासी इंद्रानगर थाना बसंत विहार, नाथू लाल पुत्र होरी लाल निवासी बसंत विहार एनक्लेव थाना बसंत विहार, चौधरी पाल पुत्र लटूरी पाल निवासी शास्त्री नगर खाला थाना बसंत विहार, आरिफ खान पुत्र गय्युर खान निवासी सत्तोवाली घाटी थाना बसंत विहार, आतिफ खान पुत्र अफजाल खान निवासी सत्तोवाली घाटी थाना बसंत विहार, साहिल खान पुत्र गय्युर खान निवासी सत्तोवाली घाटी थाना बसंत विहार, समीर पुत्र चांद खान निवासी राजीव नगर चमनपुरी थाना पटेलनगर बताया।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने सूरी चौक के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से दस ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम सुनील पुत्र पप्पू निवासी मद्रासी कालोनी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भारी मात्रा में गांजे के साथ महिला सहित दो लोग गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने भारी मात्रा में गांजे के साथ महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने काले की ढाल के पास बुलेट मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से दो किलो 50 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सिमराज पुत्र शेरू नाथ निवासी सपेरा बस्ती मोथरोवाला बताया। वहीं नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने रिस्पना नगर जाने वाले रास्ते से एक महिला को 527 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना नाम सीता पत्नी राजू निवासी सपेरा बस्ती रिस्पना पुल बताया। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

'खत्म' ने किया पुलिसकर्मियों पर हमला साथी सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। झगड़े की सूचना मिलने पर मौके पर गए पुलिसकर्मियों पर ईट से हमला कर हुड़दंग करने वाले 2 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से दो तमंचे मय कारतूस भी बरामद किये गये है। गिरफ्तार लोगों में से एक सोनू उर्फ खत्म शातिर किस्म का बदमाश है जिस पर गुण्डा एक्ट सहित एक दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज है। मामले में दो बाल अपचारियों को भी पुलिस ने संरक्षण में लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 25 मई को पुलिस चौकी रमपुरा में डायल 112 के माध्यम से एक झगड़े की सूचना मिली। जिस पर कार्यवाही करते हुए चौकी से रमपुरा क्षेत्र में जा रहे चीता मोबाइल में नियुक्त कांस्टेबल पूरन राम व कांस्टेबल गणेश सिंह धानिक जब सत्ता चौक पर पहुंचे तो वहां पर कुछ लड़के खड़े थे। जिनको पुलिस द्वारा टोकने पर उक्त युवकों द्वारा पुलिस कर्मियों पर ईट से हमला कर हुड़दंग काटा गया। जिसके बाद कांस्टेबल गणेश धानिक की तहरीर के आधार पर पुलिस ने कोतवाली

दो तमंचे मय कारतूस बरामद

रुद्रपुर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा बीते रोज एक सूचना के आधार पर घटना में शामिल मुख्य आरोपी सोनू कोली उर्फ खत्म एवम दीपक कोली उर्फ टांडा को दो तमंचे मय करातूस सहित गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं पुलिस ने मामले में दो विधि विरूद्ध किशारों को भी प्रीत विहार गेट नम्बर 2 के पास से पुलिस ने अपने संरक्षण में लिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी सोनू कोली उर्फ खत्म शातिर किस्म का बदमाश है जिस पर पूर्व में भी गुण्डा एक्ट सहित एक दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज है।

एक नजर

दिल्ली दंगों से जुड़े राजद्रोह केस में शरजील इमाम को मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को देशद्रोह और गैरकानूनी गतिविधियों के आरोपों से जुड़े सांप्रदायिक दंगों के मामले में जेएनयू विद्वान शरजील इमाम को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और मनोज जैन की पीठ ने जमानत दी।

दिल्ली दंगों के दौरान दिल्ली के जामिया इलाके और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने के आरोप में शरजील इमाम को देशद्रोह और यूएपीए मामले में गिरफ्तार किया गया था। भड़काऊ भाषण देने के आरोप में गिरफ्तार किए गए कार्यकर्ता शरजील इमाम को लगभग साढ़े चार साल बाद जमानत मिली है। मामले में इस आधार पर वैधानिक जमानत मांगी गई थी कि वह अधिकतम सात साल की सजा में से चार साल पहले ही जेल में बिता चुके हैं। फरवरी में दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने शरजील इमाम को वैधानिक जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद शरजील ने हाईकोर्ट में इस आदेश को चुनौती दी थी।

नहर में गिरी ऑल्टो कार, एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत

सांगली । महाराष्ट्र के सांगली में एक भीषण कार दुर्घटना में एक ही परिवार के छह लोगों की जान चली गई। तासगांव-मनेराजुरी मार्ग पर चिंचणी गांव के पास आधी रात को एक ऑल्टो कार ताकारी नहर में गिर गई। इस भयानक कार हादसे में एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई जबकि एक लड़की की

हालत गंभीर है। यह कार हादसा आधी रात करीब 12:30 बजे के आसपास हुआ। मृतक तासगांव के सिविल इंजीनियर राजेंद्र जगननाथ पाटिल के परिवार से हैं। तासगांव-मनेराजुरी मार्ग पर चिंचनी इलाके में आधी रात को एक ऑल्टो कार के ताकारी नहर में गिर जाने से यह हादसा हो गया। इस दुर्घटना में मृतकों और घायलों के नाम मृतक इंजीनियर राजेंद्र जगननाथ पाटिल (उम्र 60 साल), ड्राइवर, पत्नी सुजाता राजेंद्र पाटिल (उम्र 55 साल), बेटी प्रियंका अवधूत खराड़े (उम्र 30 साल), पोती ध्रुवा (उम्र तीन साल), राजवी (उम्र दो साल), कार्तिकी (उम्र एक साल), घायल बेटी स्वप्नाली विकास भोसले (उम्र 30 साल) हैं।

पार्किंग में लगी भीषण आग, 17 वाहन जलकर हुए खाक

नई दिल्ली। दिल्ली के मधु विहार इलाके की एक पार्किंग में देर रात भीषण आग लग गई। आग की जद में आने से पार्किंग में खड़े 17 वाहन जलकर खाक हो गए। फायर कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद एक घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं लग सका है। मंगलवार की रात करीब 1 बजे वाहनों की पार्किंग में अचानक आग लग गई। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकरी फायर ब्रिगेड को दी गई। फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने वाली गाड़ियों

के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई। आग पर रात में ही काबू पा लिया गया है। पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने वाले विनीत ने बताया कि उन्होंने हाल ही में नई गाड़ी खरीदी थी। रात को 10 बजे वह अपनी गाड़ी पार्किंग में खड़ी करके गए थे। सुबह उन्हें मालूम हुआ कि गाड़ियों में आग लग गई। उनकी गाड़ी भी आग में जलकर खाक हो गई। पार्किंग वाले को फोन लगाया तो उनका नंबर स्विच ऑफ जा रहा है।

वृद्ध की हत्या का खुलासा, पड़ोसी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। कालसी क्षेत्र में हुई वृद्ध की हत्या के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे मृतक के पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से हत्या में प्रयुक्त डंडा भी बरामद किया गया है। हत्या का कारण पड़ोसी की पत्नी से वृद्ध का अवैध सम्बन्ध होना बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार बीती 16 मई को खजान सिंह पुत्र अषाडू, निवासी ग्राम रुपऊ, कालसी देहरादून ने थाना कालसी में तहरीर देकर बताया गया था कि 13 मई को हरिया पुत्र थेचकू व दिनेश पुत्र हरिया निवासी ग्राम रुपऊ थाना कालसी देहरादून द्वारा उनके पिता अषाडू की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। मामले में पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा घटना के आसपास मौजूद लोगों से गहनता से पूछताछ कर जानकारी एकत्रित की गई। मृतक अषाडू की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मृत्यु का कारण सिर में चोट लगना सामने आया। जिस पर पुलिस ने घटना के सम्बंध में विवेचनात्मक

❑अवैध सम्बन्ध बनाने को लेकर पड़ोसी ने की थी वृद्ध की हत्या

कार्यवाही व साक्ष्य संकलन के आधार पर नामजद फरार आरोपी हरिया पुत्र थेचकू, जो कि भाग जाने की फिराक में था को लखवाड़ कालोनी डाकपत्थर से गिरफ्तार किया गया। जिसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक डंडा भी बरामद किया गया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह मजदूरी का काम करता है तथा मृतक असाडू उनके पडोस में रहता है, घटना वाले दिन उसका पुत्र दिनेश घर पर मौजूद नही था तथा उसकी पत्नी घर में अकेली थी और जब वह काम करके घर लौटा तो उसने देखा कि असाडू उसकी पत्नी के साथ गलत काम कर रहा था, जिसके बाद उसकी व असाडू की हाथापाई हो गयी और उसने असाडू के सर पर डंडे से हमला कर दिया, जिससे असाडू घायल हो गया, जिसे देखकर वह घबराकर मौके से भाग गया था।

चोरी के गैस सिलेण्डर के साथ दो भाई गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। जैविक कृषि बीज कार्यालय से सिलेण्डर चोरी करने वाले दो सगे भाईयों को क्षेत्रवासियो ने पकडकर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर क्षेत्र स्थित जैविक बीज सवधन परिक्षेत्र ढकरानी कार्यालय से दो लोग गैस के सिलेण्डर चोरी करके भाग रहे थे। जिनको देख आसपास के लोगों ने पीछा कर उनको थोडी दूर पर ही दबोच लिया। जिनको लोगों ने पकडकर पुलिस के हवाले किया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम मौहम्मद अरशद पुत्र इकबाल व इस्लाम पुत्र इकबाल निवासी ढकरानी बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बुलेट सवार बदमाश ने लूटी नगदी

संवाददाता

देहरादून। बुलेट सवार बदमाश ने नगदी व कैमरे की वायर लूट ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जमनपुर सहसपुर निवासी सुधीर कुमार ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भतीजा सेलाकुई बाजार से घर की तरफ आ रहा था। जब वह डिक्सन कम्पनी के पास पहुंचा तभी एक बुलेट मोटरसाईकिल पर सवार युवक उसके पास आया और उसको धमका कर उससे 600 रूपये नगद व कैमरे की वायर लूटकर चला गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लावारिस घूम रही नाबालिक युवती ने उगले दोहरे हत्याकांड के राज

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जबलपुर में मार्च माह के दौरान हुए दोहरे हत्याकांड का आरोपी प्रेमी जिस नाबालिग युवती को लेकर दो माह से लापता था वह उस नाबालिग युवती को अब हरिद्वार में छोड़कर फरार हो गया। हरिद्वार पुलिस ने नाबालिग को बरामद कर उसकी सूचना जबलपुर पुलिस को दे दी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एक नाबलिग लडकी सिटी कोतवाली के पास स्थित महिला जिला अस्पताल के पास संदिग्ध अवस्था में घूमती हुई दिखाई दी। नाबालिक को कोतवाली हरिद्वार लाकर पूछताछ करने पर किशोरी ने बताया कि वह अपने प्रेमी मुकुल के साथ हरिद्वार आयी थी। जो कुछ सामान लेने के बहाना बनाकर उसे छोडकर चला गया। किशोरी ने यह भी जानकारी दी कि उक्त कथित प्रेमी द्वारा मार्च के महीने में जबलपुर में किशोरी के पितांजी व भाई की कुल्हाडी से मारकर हत्या कर दी गई तथा वारदात को अंजाम देने के बाद लगभग दो महीने से वह किशोरी को अपने साथ घुमा रहा था।

घर के बाहर से ई-रिक्शा चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडा ई-रिक्शा चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपनगर निवासी सुरेश पाल ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपना ई-रिक्शा घर के बाहर खडा किया था। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसका ई-रिक्शा अपने स्थान से गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

❑प्रेमी ने ही उसके पिता व भाई की हत्या कर किया था उसका अपहरण

इस सम्बन्ध में सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा जबलपुर पुलिस से सम्पर्क किया गया तो जानकारी मिली है कि उक्त प्रकरण में मुकुल कुमार को आरोपित बनाते हुए कोतवाली सिविल लाईन जबलपुर मे मु.अ.सं. 79/24 धारा 302,201 भादवि मुकदमा पंजीकृत है। किशोरी की बरामदगी के संबंध में जबलपुर पुलिस को सूचित किया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।